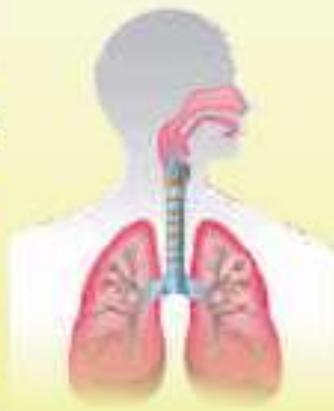


तुलसी  
युक्त

## अंजू कफ सायरप

बद्धते प्रदूषण, बदलती दिनचर्या और अनियमित खानपान के कारण श्वास नलिका और कंठ सम्बन्धी रोग या संक्रमण हो जाते हैं। ये विकार आम तौर पर सभी आयु-वर्ग में पाए जाते हैं। इसी को ध्यान में रखकर **अंजू कफ सायरप** को मृद्यु रहित (बिना अल्ट्कोहल) बनाया गया है। अतः इसे लेने के बाद उनीदापन और सुस्ती का अनुभव नहीं होता और कार्य में व्यधान नहीं पढ़ता। यह न केवल कफ-खासी-जुकाम आदि में आराम दिलाता है बल्कि रोग के कारणों को जड़ से मिटाता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता का विकास करता है। **अंजू कफ सायरप** श्वास नली और फेफड़ों में जमा कफ को ढीला करता है और बीमारी के लक्षणों की रोकथाम करता है। यह काकड़ा सिंघी, अदूसा, मुलेठी, तुलसी, लौंग, खारक जैसे तत्वों से बनाया जाता है जो आपुर्वेद के अनुसार गले से जुड़ी बीमारियों, विकारों संक्रमण आदि के लिए अत्यंत प्रभावी हैं।



निम्न स्थितियों में **अंजू कफ सायरप** बेहद उपयोगी है।

- ❖ जटिल खाँसी, सर्दी, जुकाम आदि
- ❖ सर्दी और कफ के कारण नाक और गले में जकड़न
- ❖ लगातार कई दिनों तक खाँसी होने से सांस लेने में समस्या
- ❖ गले, श्वास नली और फेफड़ों में जमा कफ को ढीला कर साफ करने हेतु
- ❖ फेफड़ों को शुद्ध एवं कफ रहित कर उन्हें बल प्रदान करने हेतु
- ❖ वायरल फीवर में होने वाली श्वास समस्या

**आयुर्वेदिक होने के कारण यह सभी के लिए हानिरहित है।**

**मात्रा :** वयस्क : 1 या 2 चम्मच दिन में, 4 से 6 बार

बच्चे : 1/2 से 1 चम्मच दिन में 4 से 6 बार

या चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार



Mfg. by :

**ANJU PHARMACEUTICALS**

28, Industrial Area, Rao (Indore) M.P.

[www.anjupharma.com](http://www.anjupharma.com)

Customer Care No. : 9425062415